

# तीन मछलियाँ की पंचतंत्र कहानी Three Fish Story in Hindi From Panchatantra

तीन मछलियाँ की पंचतंत्र कहानी **Three Fish Story in Hindi.**

एक तालाब में तीन मछलियाँ रहा करती थी। तीन मछलियाँ में बहुत अच्छी दोस्ती थी। तीन मछलियाँ एक साथ खेलते हैं और तालाब भर में घूमा करते। एक साथ ही खाने की तलाश करते। जब कभी भी तीन मछलियों में से कोई मुसीबत में होता तीन मछलियाँ मिलकर उसका सामना करते और कोई भी फैसला लेने से पहले तीन मछलियाँ एकसाथ सलाह मशवरा करते।

एक दिन कुछ मछुआरे उस तालाब के पास आए। उनमें से एक मछुआरे ने कहा, “इस तालाब में बहुत सारी मछलियाँ हैं। कल आकर हम इस तालाब की सारी मछलियाँ को पकड़ कर ले जाएंगे। हमारी बहुत अच्छी कमाई हो जाएगी।”

जब वह मछुआरे बात कर रहे थे तब वे तीन मछलियाँ वहाँ उनकी बातें सुन रहे थे। यह बात सुनकर तीन मछलियाँ बहुत ही ज्यादा डर गए। लेकिन उन्होंने सोचा कि इसका सामना कैसे किया जाए? फिर तीन मछलियाँ ने आपस में एक सभा बुलाई और उनमें से एक मछली दोन मछलियों से कहने लगी, “हमें यह तालाब छोड़कर दूसरी जगह जाना होगा नहीं तो हमारी जान भी जा सकती है।”

दूसरी मछली उससे सहमत थी। अपनी सहमती बताने के लिए उसने कहा, “हमें यह से जाना ही होगा। तुम बिल्कुल सही कह रही हो। मैं तुम्हारी बात से सहमत हूँ।”

वहीं तीसरी मछली इस तालाब को छोड़कर जाने से इंकार कर देती है और वह दोन मछलियों से कहती है, “मैं यह तालाब को छोड़कर नहीं जा सकती। यह हमारे पूर्वजों का घर है और यहाँ हमने अपना बचपन भी बिताया है। तो हम कैसे इस जगह को छोड़कर जा सकते हैं? इसीलिए मैं यहीं रुकने वाली हूँ।”

तीन मछलियों के बीच बातचीत होने के बाद वह दोन मछलियाँ वहाँ से चली गईं और फिर अगले दिन वे मछुआरे आए। मछुआरों ने उस तालाब की सारी मछलियाँ को पकड़ लिया और वह तीसरी मछली भी मर गई।

Panchatantra Stories in Hindi With Moral.

## Moral of Three Fish Story in Hindi

इसीलिए कहते हैं कि हमें किस्मत के भरोसे नहीं रहना चाहिए। हमें हमेशा अपने आप को सुरक्षित रखना चाहिए। तीन मछलियों की पंचतंत्र कहानी **Three Fish Story in Hindi.**

<https://hindi.storiesforkidsbedtime.com/>